"ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यांसाठी शिक्षणप्रसार"

- शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे

श्री स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्था संचालित

विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापुर (स्वायत्त)

हिंदी विभाग

शैक्षिक वर्ष 2022-23

दि. 10/10/2023

नोटिस

वरीष्ठ महाविद्यालय के हिंदी विभाग के बी. ए. भाग एक, दो और तीन के सभी छात्रों को सूचित किया जाता है कि शैक्षिक वर्ष 2022-23 का पहले सत्र का अंतर्गत मूल्यमापन (होम असाइमेंट/ टेस्ट/ सेमिनार /प्रोजेक्ट) दि. 30/10/2023 तक कमरा क्रमांक 23 में जमा करें।

डॉ. आरिफ महात
विभागाध्यक्ष,
हिंदी विभाग, विवेकानंद कॉलेज,
कोल्हापूर.

VIVEKANAND COLLEGE ESTD JUNE 1934 KOLHAPUR-416 003

Scanned by CamScanner

Shri Swami Vivekanand Shikshan Sanstha's

VIVEKANAND COLLEGE, KOLHAPUR (AUTONOMOUS)

2130, E Ward, Tarabai Park, Kolhapur, Maharashtra 416003

Student Marks Entry

Course: B.A. - FY SEM - I **Session:**DECEMBER-202

Sr.No.	PRN No	Seat No	Student Name	Marks
Subject: HINDI COMP (GEC-1012A) - CIE				
1	2022014001	336401	ADHAV RUTURAJ KAILAS	12
2	2022014005	336405	BADARE HARSHADA VIJAY	10
3	2022014007	336407	BAJAGE NISHA AMAR	12
4	2022014017	336417	BHOSALE OMKAR EKANATH	12
5	2022014025	336425	CHOUGALE KOMAL KRUSHANAT	13
6	2022014026	336426	CHOUGALE PRAJYOT TANAJI	10
7	2022014030	336430	CHOUGALE VAISHNAVI ANIL	11
8	2022014032	336432	CHOUGULE SHRAVANI SANTOSH	13
9	2022014037	336437	DALVI SANIKA MANDAR	12
10	2022014048	336448	DINDE MANSI VILAS	15
11	2022014056	336456	GAIKWAD SHUBHAM RAKESH	13
12	2022014071	336471	GURAV SANIKA SANJAY	14
13	2022014073	336473	HANKARE ASHWINI SUNIL	13
14	2022014076	336476	HUDLI SANIYA SALIM	15
15	2022014077	336477	JADHAV MANTHAN GAJENDRA	13
16	2022014090	336490	KALAKE ARYAN SAMBHAJI	14
17	2022014105	336505	PRAJAKTA BALASO KAMBLE	12
18	2022014109	336509	KAMBLE RUTIKA KUMAR	14
19	2022014113	336513	KAMBLE SHUBHAM SHRIDHAR	12
20	2022014293	336517	KAMBLE VINAYAK SUNIL	13
21	2022014130	336530	KHARADE SAHIL DAYANAND	15
22	2022014133	336533	KOKARE ROHAN NAMDEV	10
23	2022014138	336538	KOTHAVALE DIPTI TANAJI	14
24	2022014145	336545	LADGAONKAR PARCHI PRAKASH	15
25	2022014155	336555	MALI SHIVLING SAMBHAJI	13
26	2022014156	336556	MANDEKAR SHREYA MHATARU	15
27	2022014271	336559	MANE SANIKA BALU	14
28	2022014168	336568	AHMAD SHAFIKANJUM MULLA	12
29	2022014170	336570	NADAF MOIZE AJAJ	10
30	2022014192	336591	PATIL ATHARV ABHIMANYU	11
31	2022014193	336593	PATIL GANESH BHIMARAO	10
32	2022014201	336601	PATIL SHRAVANI RAJARAM	14
33	2022014205	336605	PATIL SRUSHTI SACHIN	10
34	2022014207	336607	PATOLE ABHISHEK MANOJ	AB
35	2022014219	336619	SANADI MUJJAMIL GULAB	13
36	2022014223	336623	SAPATE PRACHI BHARATH	10
37	2022014225	336625	SATHE AMBIKA RAVINDRA	10
38	2022014227	336627	SATHE SAKSHI DILIP	14

VIVEKANAND COLLEGE ESTD JUNE 1964 KOLHAPUR-416003

Internal Examiner **Mobile Number**

Scanned by CamScanner

Shri Swami Vivekanand Shikshan Sanstha's

VIVEKANAND COLLEGE, KOLHAPUR (AUTONOMOUS)

2130, E Ward, Tarabai Park, Kolhapur, Maharashtra 416003

Student Marks Entry

Course: B.A. - FY SEM - I

Session:DECEMBER-2022

Sr.No.	PRN No	Seat No	Student Name	Marks
Subject: HINDI COMP (GEC-1012A) - CIE				
39	2022014230	336630	SHAIKH AYMAN JAMIR	12
40	2022014231	336631	SHAIKH NAWAB SHAKIL	14
41	2022014236	336636	SHINDE ROHIT DIPAK	12
42	2022014242	336642	SURYAWANSHI PRANALI SANTOSH	15
43	2022014249	336649	TODKAR VAISHNAVI SAMBHAJI	15
44	2022014252	336652	ULAPE BHUMI RANJIT	14
45	2022014253	336653	ULAPE JEEVAN SANTOSH	10
46	2022014254	336654	ULAPE PALLAVI PANDIT	11
47	2022014258	336658	WAGHELA SAHIL SANJAY	14
48	2022014261	336661	WAYDANDE VAISHNAVI VIJAY	10
49	2022014229	336739	SAYYAD AJIM FIROZ	AB

VIVEKANAND COLLEGE ESTD JUNE 1964 KOLHAPUR-416 003

Tapse.

(Dr. D. R. Tapse)

Scanned by CamScanner

" ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यांसाठी शिक्षण प्रसार "
- शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे

Signature of Supervisor

Shri Swami Vivekanand Shikshan Sanstha's

VIVEKANAND COLLEGE (Autonomous), KOLHAPUR

Class ______ Div. 15 ______ Roll No. ______

Suppliment No. 15 ______ Subject ______

Test / Tutorial No. ______ हिंदी विभाग

अनिवार्य हिंदी

नाम - सानिया सलिम हुदली

Class - B.A FY

Roll No - 4076

Scanned by CamScanner

प्रश्न - 'वापसी' कहानी के आधार पर बुजुर्गों की व्यथा स्पष्ट किजिए।

→ ऊषा प्रियंवदा ने अपनी कहानियों पारिवारिक जीवन की परिवर्तित व्यवस्था एवं प्रेम सम्बन्धों के बदलते स्वरूप को अभिव्यक्ति प्रदान की है। उनकी कहानियों में आधुनिक परिवारों में बदलते मानवीय सम्बन्धों की व्याख्या बहुत सुन्दर और स्वाभाविक ढंग से की गयी है। 'वापसी' उनकी चर्चित कहानियों में से एक है। यह कहानी संयुक्त परिवार के विघटन की कहानी है। इसमें एक व्यक्ति के रिटायर होकर घर लौटने और पुनः घर छोड़कर अन्यत्र लौटने की कहानी की बहुत मार्मिकता से अभिव्यक्त किया गया है।

'वापसी' कहानी का कथानक -

'वापसी कहानी' एक रिटायर्ड रेल्वे कर्मचारी की कहानी है। गजाधर बाबू पैंतीस वर्ष की नोकरी के पश्चात् अत्यन्त उत्साह के साथ घर लौटते है। उन्हें अपने परिवार से बहुत स्नेह था। स्त्री और बच्चों को उन्होंने बच्चों की पढ़ाई की सुविधा की दृष्टि से शहर छोड़ दिया था तथा स्वयं रेल्वे क्वार्टर में रहते थे। जिस समय रिटायर होते हैं, तो उन्हे एक परिचित संसार को छोड़ने का दुख होता है, किन्तु उन्हें अपने परिवार के साथ रह सकने की प्रसन्नता भी होती है। लेकिन अपने घर में आकर इसके विपरीत होता है। उनके अकेलेपन का अहसास और गहरा हो जाता है।

वे अपने घर में अपनी व्यर्थता का अनुभव करते है। जैसे किसी मेहमान के लिए अस्थाई चारपाई का प्रबन्ध कर दिया जाता है वैसे ही उनके लिए बैठक में एक पतली-सी चारपाई डाल दी गयी। वे अपनी पत्नी से भी बातचीत में सहानुभूति का अभाव पाते है और अनुभव करते हैं कि उनकी लड़की, पुत्र, पुत्रवधू को किसी भी बात में उनका

Scanned by CamScanner

हस्तक्षेप सहन नहीं है।
अन्त में वह किसी दूसरी नौकरी पर चले जाते हैं तब भी पत्नी उनके साथ नहीं जाती और उनकी उपस्थिति की प्रतीक्षा चारपाई कमरे से बाहर निकाल दी जाती है। रोचकता आद्यन्त बनी रहती है। चरित्र-चित्रण - कहानी में सर्वाधिक महत्वपूर्ण चरित्र गजाधर बाबू का ही है। प्रारम्भ में ही वह एक सहृदय एवं स्नेही व्यक्ति के रूप में हमारे सामने आते हैं। घर जाने की खुशी में भी वह एक विषाद का अनुभव करते हैं जैसे एक परिचित स्नेह, आदरमय, सहज संसार में उनका नाता टूट रहा है। उनका सेवक गनेशी उनके जाने पर दुखी होता है तो वे कहते हैं — "कभी कुछ जरूरत हो तो लिखना गनेशी, इस अगहन तक बिटिया की शादी कर दो।"
नरेन्द्र आधुनिक युग का वह युवक है जो पिता के साथ रहना पसन्द नहीं करता है। वह माँ से कहता है — "अम्मा तुम बाबूजी से कहती क्यों नहीं ? बैठे बिठाये कुछ करते तो नौकर को ही छुड़ा दिया।"
वापसी कहानी के शीर्षक की सार्थकता —
कहानी का शीर्षक संक्षिप्त, किन्तु प्रभावशाली होना चाहिये। वस्तुत: कहानी का मूल भाव जब संक्षिप्त होते-होते एक शब्द या शब्द समूह में परिवर्तित हो जाये तो वही उसका सार्थक शीर्षक होता है। आलोच्य कहानी का शीर्षक कहानी की प्रमुख घटना पर आधारित एवं कथा की मूल संवेदना को अभिव्यक्त करने में सफल है। गजाधर बाबू पैंतीस वर्ष पश्चात् रेल्वे में नौकरी करके रिटायर होते हैं।
अपनी नौकरी में अधिकतर उन्हें अपने परिवार से अलग रहना पड़ता। वह स्नेही व्यक्ति थे। जिस समय रिटायर होते हैं, तो उन्हें एक परिचित संसार को छोड़ने का दुख होता है, किन्तु उन्हें एक अपने परिवार के साथ रह सकने की प्रसन्नता भी बहुत होती है। लेकिन

अपने घर में आकर व्यर्थता का अनुभव करते है। जैसे किसी मेहमान के लिए अस्थाई चारपाई या प्रबन्ध कर दिया जाता है वैसे ही उनके लिए बैठक में पतली सी चारपाई डाल दी गयी। उन्होंने अनुभव किया कि वह अपनी पत्नी और बच्चों के लिए धनोपार्जन का साधन मात्र थे। इस सब बातों से क्षुब्ध होकर वे अत्यन्त नौकरी के लिए प्रार्थनापत्र देते है तथा नियुक्त पत्र मिल जाने पर वहाँ से चले जाते है। उनकी घर से वापिस नौकरी पर लौटने की घटना ही इस कहानी का शीर्षक है। उनके जीवन की सारी कटुता, खिन्नता उनकी इस 'वापसी' में समाहित हो जाती है। इस प्रकार का शीर्षक अत्यन्त सार्थक सिद्ध होता है।

वापसी कहानी का निष्कर्ष

संक्षेप में कह सकते है कि 'वापसी' कहानी कहानीकला की कसौटी पर खरी उतरती है। यह पारिवारिक विघटन को प्रस्तुत करने वाली कहानियों में महत्वपूर्ण स्थान रखती है। कथावस्तु, चरित्र, वातावरण उद्देश्य आदि सभी दृष्टियों से यह एक विशिष्ट और प्रभावी कहानी है।

Scanned by CamScanner

Shri Swami Vivekanand Shikshan Sanstha's

VIVEKANAND COLLEGE, KOLHAPUR (AUTONOMOUS)

2130, E Ward, Tarabai Park, Kolhapur, Maharashtra 416003

Student Marks Entry

Course: B.A. - FY SEM - I **Session:**DECEMBER-202

Sr.No.	PRN No	Seat No	Student Name	Marks
Subject: HINDI OPT -I (DSC-1016A) - CIE				
1	2022014003	336403	ADSUL SANIKET SANJAY	10
2	2022014004	336404	ANSARI NILOFAR AMJAD	10
3	2022014005	336405	BADARE HARSHADA VIJAY	12
4	2022014006	336406	BADAVE VARAD PRAVIN	12
5	2022014007	336407	BAJAGE NISHA AMAR	12
6	2022014008	336408	BANKAR SANIKA ANIL	12
7	2022014009	336409	BEDADE AISHA JAMIR	15
8	2022014012	336412	BHEKANE PRAGATI PRABHAKAR	15
9	2022014014	336414	BHIVDARNE SHWETA SATISH	15
10	2022014016	336416	BHOSALE ADITYA BALASO	12
11	2022014017	336417	BHOSALE OMKAR EKANATH	12
12	2022014029	336429	CHOUGALE SHIVLILA PANDURANG	15
13	2022014036	336436	DALAVI RAJVARDHAN RAGHUNATH	15
14	2022014038	336438	DANGE MADINA MIRASAB	13
15	2022014039	336439	DAPTARDAR AMARNATH KRUSHNAT	12
16	2022014043	336443	DHANAVADE RUSHIKESH KANIFNATH	15
17	2022014047	336447	DIGAMBARE SAKSHI RAVINDRA	15
18	2022014048	336448	DINDE MANSI VILAS	15
19	2022014050	336449	GOTE ARYAN SANDESH	15
20	2022014051	336450	DUDHGAONKAR YASH MUKUND	12
21	2022014052	336452	GADHIRE DIVYA BHAGWAT	15
22	2022014059	336459	GAVHANE SOURABH NANADKUMAR	10
23	2022014060	336460	GAWADE ARYAN SACHIN	15
24	2022014076	336476	HUDLI SANIYA SALIM	15
25	2022014078	336478	JADHAV NAMRATA SUNIL	15
26	2022014082	336482	JADHAV SUAYSH SANJAY	15
27	2022014084	336484	JAMADAR BEDADE SHAHABAJ JAMIR	15
28	2022014094	336494	KALUGADE SHWETA SNAJAY	12
29	2022014095	336495	KAMBALE ABHISHEK BHUJINGA	12
30	2022014101	336501	KAMBLE KOMAL SANJAY	10
31	2022014102	336502	KAMBLE NIKHIL UDAY	15
32	2022014103	336503	KAMBLE NISHA JAGANNATH	15
33	2022014104	336504	KAMBLE POOJA DADASO	15
34	2022014107	336507	KAMBLE PRUTHVIRAJ SACHIN	15
35	2022014113	336513	KAMBLE SHUBHAM SHRIDHAR	15
36	2022014293	336517	KAMBLE VINAYAK SUNIL	12
37	2022014117	336518	KANASE ASAVARI MAHADEV	15
38	2022014118	336519	KAPARE SHWETA PRASAD	15

VIVEKANAND COLLEGE ESTD JUNE 1964 KOLHAPUR-416 003

Internal Examiner **Mobile Number**

Scanned by CamScanner

Shri Swami Vivekanand Shikshan Sanstha's

VIVEKANAND COLLEGE, KOLHAPUR (AUTONOMOUS)

2130, E Ward, Tarabai Park, Kolhapur, Maharashtra 416003

Student Marks Entry

Course: B.A. - FY SEM - I **Session:**DECEMBER-202

Sr.No.	PRN No	Seat No	Student Name	Marks
Subject: HINDI OPT -I (DSC-1016A) - CIE				
1	2022014003	336403	ADSUL SANIKET SANJAY	10
2	2022014004	336404	ANSARI NILOFAR AMJAD	10
3	2022014005	336405	BADARE HARSHADA VIJAY	12
4	2022014006	336406	BADAVE VARAD PRAVIN	12
5	2022014007	336407	BAJAGE NISHA AMAR	12
6	2022014008	336408	BANKAR SANIKA ANIL	12
7	2022014009	336409	BEDADE AISHA JAMIR	15
8	2022014012	336412	BHEKANE PRAGATI PRABHAKAR	15
9	2022014014	336414	BHIVDARNE SHWETA SATISH	15
10	2022014016	336416	BHOSALE ADITYA BALASO	12
11	2022014017	336417	BHOSALE OMKAR EKANATH	12
12	2022014029	336429	CHOUGALE SHIVLILA PANDURANG	15
13	2022014036	336436	DALAVI RAJVARDHAN RAGHUNATH	15
14	2022014038	336438	DANGE MADINA MIRASAB	13
15	2022014039	336439	DAPTARDAR AMARNATH KRUSHNAT	12
16	2022014043	336443	DHANAVADE RUSHIKESH KANIFNATH	15
17	2022014047	336447	DIGAMBARE SAKSHI RAVINDRA	15
18	2022014048	336448	DINDE MANSI VILAS	15
19	2022014050	336449	GOTE ARYAN SANDESH	15
20	2022014051	336450	DUDHGAONKAR YASH MUKUND	12
21	2022014052	336452	GADHIRE DIVYA BHAGWAT	15
22	2022014059	336459	GAVHANE SOURABH NANADKUMAR	10
23	2022014060	336460	GAWADE ARYAN SACHIN	15
24	2022014076	336476	HUDLI SANIYA SALIM	15
25	2022014078	336478	JADHAV NAMRATA SUNIL	15
26	2022014082	336482	JADHAV SUAYSH SANJAY	15
27	2022014084	336484	JAMADAR BEDADE SHAHABAJ JAMIR	15
28	2022014094	336494	KALUGADE SHWETA SNAJAY	12
29	2022014095	336495	KAMBALE ABHISHEK BHUJINGA	12
30	2022014101	336501	KAMBLE KOMAL SANJAY	10
31	2022014102	336502	KAMBLE NIKHIL UDAY	15
32	2022014103	336503	KAMBLE NISHA JAGANNATH	15
33	2022014104	336504	KAMBLE POOJA DADASO	15
34	2022014107	336507	KAMBLE PRUTHVIRAJ SACHIN	15
35	2022014113	336513	KAMBLE SHUBHAM SHRIDHAR	15
36	2022014293	336517	KAMBLE VINAYAK SUNIL	12
37	2022014117	336518	KANASE ASAVARI MAHADEV	15
38	2022014118	336519	KAPARE SHWETA PRASAD	15

VIVEKANAND COLLEGE ESTD JUNE 1964 KOLHAPUR-416 003

Internal Examiner **Mobile Number**

Scanned by CamScanner

Shri Swami Vivekanand Shikshan Sanstha's

VIVEKANAND COLLEGE, KOLHAPUR (AUTONOMOUS)

2130, E Ward, Tarabai Park, Kolhapur, Maharashtra 416003

Student Marks Entry

Course: B.A. - FY SEM - I **Session:**DECEMBER-2022

Sr.No.	PRN No	Seat No	Student Name	Marks
Subject: HINDI OPT -I (DSC-1016A) - CIE				
39	2022014120	336520	KARPE PRACHI TATYASO	15
40	2022014125	336525	KHABALE SAMARTH ASHOK	10
41	2022014126	336526	KHANDEKAR BHAGYASHRI RANJIT	15
42	2022014127	336527	KHANDEKAR SANIKA RAMESH	15
43	2022014132	336532	KHUTALE TANUJA ASHOK	15
44	2022014135	336535	KOLI PRAJWAL PRAKASH	12
45	2022014143	336543	LADE ARUNA DEVDAS	15
46	2022014150	336550	LONDHE AKASH BABU	12
47	2022014161	336563	MITAKE VANDANA LAXMAN	12
48	2022014164	336565	MORE PRATIK PRAKASH	13
49	2022014286	336566	MUJAWAR AYESHA MANSOOR	10
50	2022014169	336569	MULLA SHAFIN SAMIR	15
51	2022014170	336570	NADAF MOIZE AJAJ	15
52	2022014172	336572	NALAVADE ATUL GORAKH	15
53	2022014174	336574	NANGARE GANESH ASHOK	15
54	2022014176	336576	NASVALE SANA FARUK	15
55	2022014181	336581	PAKHALI RIYAJ FIROJ	15
56	2022014185	336585	PANDHARBALE SHIVYOGI ASHOK	15
57	2022014187	336587	PATEL SAIFALI FIROJ	15
58	2022014188	336588	PATHAN SANIYA AAYUBKHAN	12
59	2022014193	336593	PATIL GANESH BHIMARAO	12
60	2022014201	336601	PATIL SHRAVANI RAJARAM	12
61	2022014209	336609	PATOLE SAKSHI AMAR	15
62	2022014211	336611	POWAR OMKAR GUNDA	10
63	2022014215	336615	SANTOSH PRAKASH RAJPUT	12
64	2022014219	336619	SANADI MUJJAMIL GULAB	15
65	2022014224	336624	SARJEKHAN SAHIL PAPALAL	15
66	2022014225	336625	SATHE AMBIKA RAVINDRA	13
67	2022014227	336627	SATHE SAKSHI DILIP	12
68	2022014228	336628	SATPUTE PRANAV UMAJI	15
69	2022014230	336630	SHAIKH AYMAN JAMIR	15
70	2022014231	336631	SHAIKH NAWAB SHAKIL	15
71	2022014239	336639	SONULE AKANKSHA GULAB	12
72	2022014240	336640	SONULE SOMNATH ASHOK	12
73	2022014243	336643	SUTAR DHAIRYASHIL SUNIL	10
74	2022014244	336644	SUTAR VINAYAK SAMBHAJI	12
75	2022014246	336646	THAKARE ANURADHA PRAKASH	13
76	2022014250	336650	TURATE SAHIL SURESH	12

VIVEKANAND COLLEGE ESTD JUNE 1964 KOLHAPUR-416003

Internal Examiner **Mobile Number**

Scanned by CamScanner

Shri Swami Vivekanand Shikshan Sanstha's

VIVEKANAND COLLEGE, KOLHAPUR (AUTONOMOUS)

2130, E Ward, Tarabai Park, Kolhapur, Maharashtra 416003

Student Marks Entry

Course: B.A. - FY SEM - I Session:DECEMBER-202

Sr.No.	PRN No	Seat No	Student Name	Marks
Subject: HINDI OPT -I (DSC-1016A) - CIE				
77	2022014253	336653	ULAPE JEEVAN SANTOSH	12
78	2022014257	336657	WAGAVEKAR RUTUJA JITENDRA	12
79	2022014262	336662	YADAV ANIKET ASHOK	12
80	2022014264	336664	YADAV NITIN CHANDRAKANT	10
81	2022014266	336666	ZUGAR RASIKA DATTATRAY	12
82	2022014267	336667	KAMBLE ASHWAT PARAPPA	13
83	2021014811	336670	Shinde Omkar Dattatray	12
84	2022014049	336671	DOIPHODE DIVYA SATISH	12
85	2022014275	336675	KALE AKASH PRAKASH	10
86	2022014279	336679	RATHOD MEGHA PRAKASH	15
87	2022014290	336690	KADAM AVISHKAR SHIVAJI	10
88	2022014263	336736	YADAV DEVDHAR YASHWANT	12
89	2022014277	336737	HEGADE ADITYA ANIL	10
90	2022014218	336738	SAMUDRE YASH MAHESH	12
91	2022014080	336741	JADHAV ROHAN SHIVAJI	10

VIVEKANAND COLLEGE ESTD JUNE 1964 KOLHAPUR-416 003

Dr. A.S. Mahale

Internal Examiner

Mobile Number

Scanned by CamScanner

ज्ञान, विज्ञान, आणि सुसंस्कार शिक्षण
प्रसार - शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी
साळुंखे.

Shri Swami Vivekanand Shikshan
Sanstha's

VIVEKANAND COLLAGE

(Autonomous)

ASSIGNMENT

Name - Namrta Sunil gaikhav

Sub - hindi (opt)

Roll no - 4078

phone no - 9518755447.

Scanned by CamScanner

प्रश्न :- नाखून क्यों बढते हैं ?

आशय स्पष्ट किजिए.

निष्णात समलोचन, उपन्यासकार व्यक्ति-निष्ठ निबंध के क्षेत्र में प्रतिभा के धनी तथा सरस्वती के सच्चे उपासक हजारी प्रसाद द्विवेदी ने जिन रचनात्मक रत्नों से हिन्दी साहित्य निधी को प्रकाश पुंज होने मे सहयोग दिया है, उसमें से 'नाखून क्यों बढते है' नामक निबंध भी एक है। यह एक विचार प्रधान व्यक्तिनिष्ठ निबं-ध है। इस निबंध मे उन्होंने अपनी जिज्ञासु पूर्ती के बाल सुलभ प्रश्न नाखून क्यो बढते है ? का उत्तर देने के लिए विचारों का ताना बाना बुना है तथा ज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों मे झाँकने का प्रयास किया है। संक्षेपत: उनके विचारों को ~~वर्तमान समय मे नाखून के~~ हम निम्नांकित शब्दों मे गुम्फित कर सकते है।

वर्तमान समय में नाखून का बढ़ना एवं मनोष्यो द्वारा उनको काटना नियमित ढंग से गतिमान है। नाखून की इस प्रकार उपेक्षा से नाखून के बढने मे कोई अवरोध उत्पन्न नहीं हुआ है। प्राचीन युग मे जब मानव में ज्ञान का अभाव था अस्त्रो-शस्त्रों से उसका

परिचय नहीं था, तब इन्हीं नाखूनों को उसने अपनी रक्षा हेतु सबल अस्त्र समझा; किंतु समय के साथ ही उसकी मानसिक शक्ति में विकास होता गया। उसने अपनी रक्षा हेतु अनेक विस्फोटक एवं विध्वंसकारी अस्त्रों का अविष्कार कर लिया और अब नाखूनों की उसे आवश्यकता नहीं रही किंतु प्रकृति-प्रदत्त यह अस्त्र आज भी अपने कर्तव्य को भूल नहीं सका है।

मनुष्य की नाखून के प्रति उपेक्षा से ऐसा प्रतीत होता है कि यह अब पशाविकता का त्यार त्याग एवं मानवता का अनुसरण करने की ओर उन्मुख है, किंतु आधुनिक मानव के क्रूर कर्मों, यथा हरोशिमा का हत्याकांड से उपयुक्त कथन संदिग्ध प्रतीक होता है, क्योंकि यह पाशविकता की मानवता को चुनौती है। वात्सयन के कामसूत्र से ऐसा मालूम होता है कि नाखून को विभिन्न ढंग से काटने एवं सँवारने का भी एक युग था। प्राणी विज्ञानियों के अनुसार के बढ़ने में सूक्ष्म वृत्तियों का प्रभाव है। नाखून का बढ़ना इस बात का प्रतीक है कि शरीर में अब भी पाशविक गुण वर्तमान है। अस्त्र-शस्त्र में वृद्धि भी उसी भावना की परिचायिका है। मानव आज सभ्यता के शिखर पर अधिष्ठित होने के लिए कृत-संकल्प है। विकासोन्मुख है किन्तु मानवता की ओर नहीं अपितु पशुता की ओर। इसका भविष्य उज्ज्वल है किन्तु अतीत का मोहपाश सशक्त है।

Scanned by CamScanner

'स्व' का बंधन तोड़ देना आसान प्रतीत नहीं होता है। कालिदास के विचारानुसार मानव को अर्वाचीन अथवा प्राचीन से अच्छाइयों को ग्रहण करना चाहिए तथा बुराइयों का बहिष्कार करना चाहिए। मूर्ख इस कार्य में अपने को असमर्थ पाकर दूसरों के निर्देशन पर आश्रित होकर भटकते रहते हैं।

भारत का प्राचीन इतिहास इस बात का साक्षी है कि विभिन्न जातियों के आगमन से संघर्ष होता रहा, किन्तु उनकी धार्मिक प्रवृत्ति में अत्याचार बर्बरता और क्रूरता को कहीं आश्रय नहीं मिला। उनमें तप, त्याग, संयम और संवेदना की भावना का ही बाहुल्य था। इसलिए की मनुष्य विवेकशील प्राणी है। अतः पशुता पर विजय प्राप्त करना ही मानव का विशिष्ट धर्म है। वाह्य उपकरणों की वृद्धि पशुता की वृद्धि है। महात्मा गांधी की हत्या इसका ज्वलन्त प्रमाण है। इससे सुख की प्राप्ति कदापि नहीं हो सकती।

जिस प्रकार नाखून का बढ़ना पशुता का तथा उनका काटना मनुष्यत्व का प्रतीक है, उसी प्रकार अस्त्र व शस्त्र की वृद्धि एवं उनकी रोक में पारस्परिक संबंध है। इससे सफलता का वरण किया जा सकता है, किंतु चरितार्थकता की छाया भी स्पर्श नहीं की जा सकती। अतः आज मानव का पुनीत कर्तव्य है कि वह हृदय-परिवर्तन कर मानवीय गुणों को प्रचार एवं प्रसास के साथ जीवन में धारण करे क्योंकि मानवता का कल्याण इसी सत्य एवं अहिंसा का मार्ग प्रशस्त कर हो सकेगा।

15/11

Shri Swami Vivekanand Shikshan Sanstha's

VIVEKANAND COLLEGE, KOLHAPUR (AUTONOMOUS)

2130, E Ward, Tarabai Park, Kolhapur, Maharashtra 416003

Student Marks Entry

Course: B.A. - SY SEM - III Session:DECEMBER-2022

Subject: HINDI (PAPER III) (DSC-1016C1) - CIE

Sr.No.	PRN No	Seat No	Student Name	Marks
1	2021014501	409441	AAJAPGOL YASH SANJAY	12
2	2021014512	409449	BARALE VISHAL DILIP	14
3	2021014515	409451	Bhaldar Usaid Javed	12
4	2021014520	409453	Bhosale Soham Vilas	14
5	2021014534	409459	Chikhalkar Akshata Ramesh	12
6	2021014537	409461	CHOUGALE AVADHUT SURESH	12
7	2021014803	409478	SHAIKH HEENA ILAI	15
8	2021014582	409479	INGOLE BAPU NAVANATH	15
9	2021014596	409488	Jamadar Saqlain Ayyajahamad	15
10	2021014597	409489	JIRAGE CHARAN SUNIL	15
11	2021014611	409496	KAMBLE ANIKET KUMAR	13
12	2021014614	409497	KAMBLE HRUTIKA SUDHIR	15
13	2021014636	409506	KATKAR AKASH MARUTI	13
14	2021014641	409511	KHARARE SAHIL NANDKUMAR	15
15	2021014645	409515	Khude Pratik Shahaji	10
16	2021014808	409516	Shikalgar Khutija Allabaksha	15
17	2021014661	409520	LIGADE MANASI JITENDRA	15
18	2021014663	409522	LINGAM KATYAYANI VINAYAK	15
19	2021014665	409523	MACHHALE ABHISHEK UMAKANT	15
20	2021014680	409530	Mane Tejashri Sanjay	14
21	2021014687	409532	MIRAJKAR SAKSHI MAHESH	14
22	2021014697	409534	MUJAWAR ARMA RAFIK	15
23	2021014699	409535	MULLA AMAN MUBARAK	15
24	2021014704	409537	NAIK ABHIJEET BHAGWAN	15
25	2021014705	409538	NAIKWADI TAHASIN ARIF	14
26	2021014706	409539	NALAWADE AKANKSHA ANANDRAO	14
27	2021014711	409541	NANDE OMKAR MAHADEV	12
28	2021014715	409544	NEJE SUSHANT SURESH	13
29	2020014694	409547	PANDHARPATTE POOJA RAVINDRA	12
30	2021014723	409550	PARIT SNEHAL SHIVAJI	15
31	2021014731	409553	Patil Abhijeet Krishnat	12
32	2021014739	409556	Patil Atharav Divakar	14
33	2021014744	409558	PATIL NANDINI BHAUSO	14
34	2021014750	409562	PATIL PRATHMESH SARJERAO	12
35	2021014761	409565	PATIL SIDDHESH RAMESH	14
36	2021014774	409571	POWAR GIREESH SURESH	12
37	2021014776	409572	POWAR KIRTI RAMCHANDRA	13
38	2021014842	409583	RUTUJA RAJENDRA VHARAMBALE	15

VIVEKANAND COLLEGE ESTD JUNE 1964 KOLHAPUR-416003

Internal Examiner Mobile Number

Scanned by CamScanner

Shri Swami Vivekanand Shikshan Sanstha's

VIVEKANAND COLLEGE, KOLHAPUR (AUTONOMOUS)

2130, E Ward, Tarabai Park, Kolhapur, Maharashtra 416003

Student Marks Entry

Course: B.A. - SY SEM - III   Session:DECEMBER-2022

Sr.No.	PRN No	Seat No	Student Name	Marks
Subject: HINDI (PAPER III) (DSC-1016C1) - CIE				
39	2021014652	409587	Kumbhar Sakshi Rahul	14
40	2021014807	409595	SHIKALGAR ASIF SAJID	15
41	2021014828	409607	Tashildar MohammadSufiyan Javed	15
42	2021014833	409609	TORAGALE AISHWARYA YALLAPPA	15
43	2021014838	409613	ulsar pooja shashikant	15
44	2021014799	409618	SARNAIK VIGHNESH RUPESH	13
45	2021014845	409620	Wali Sakshi Suresh	14
46	2021014850	409622	ZARI UMAR DILAVAR	14
47	2021014664	409624	Londhe Sandesh Tanaji	12
48	2021014754	409625	PATIL RAJNANDAN PANDURANG	12
49		409629	KAMBLE AKSHAY AJAY	12
50	2021014861	409632	PAWAR UDAY RAMCHANDRA	12

VIVEKANAND COLLEGE ESTD JUNE 1964 KOLHAPUR-416003

Tupe
(Dr. D. R. Tupe)

Internal Examiner   Mobile Number

Scanned by CamScanner

Name- Tahasin Arif Naikawadi

25

" ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यांसाठी शिक्षण प्रसार "
- शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे

Signature of Supervisor

Shri Swami Vivekanand Shikshan Sanstha's
VIVEKANAND COLLEGE (Autonomous), KOLHAPUR

Class B.A.SY Div 14 15 Roll No. 4509

Suppliment No. Subject हिंदी

Test / Tutorial No. सेमिस्टर - ३ . पेपर - ५

Q बंधुआ दलिद्दर कहानी और पटकथा का अतंर स्पष्ट किजिए।

→ बंधुआ दालिद्दर ये एक तमिल कहानी है। इस कथा के लेखक ना पार्थसारथी जी है और इसकी पटकथा मन्नु भंडारी जी ने सुचक और आस्थान भाषा मे किया है।

इस कथा और पटकथा मे बंधुआ मजदुरो के बुरे हालात और चतुर राजनेता ओ मे कुरनीती प्रभावी शब्द मे हमारे सामने रखी गयी है। वैसे तो कहानी और पटकथा के आशय मे ज्यादा भेद नही होता पर उसके रचना मे ठराविक रूप से भेद नजर आता है।

① इस प्रस्तुत कहानी मे मुख्य भेद में कहना चाहुंगी की कहानी एक सरल परिच्छेद मे लिखी जाती है। पर पटकथा मे वैसा नही होता. पटकथा संवादात्मक रूप से पेश आती है।

② कहानी मे एक सरल दृश्य होता है पर पटकथा मे समय पर दृश्य बदलता रहता है।

③ कथा की शुरूआत अड्डकमल परिवार के वर्णन से किसी हुई है पर पटकथा की शुरूआत मध्यप्रदेश के भोपाल के सर्किट हाऊस इस जगह से वर्णन हुई है।

④ कथा और पटकथा दोनो बोली है। पर इसमे कुछ प्रमुख फर्क है। र. श्रौरिशजन के बोली मे अंग्रेजी भाषा और शुध्द भाषा का जादा इस्तेमाल है। किताबी भाषा आमतौर पर पढे लिखे लोगोंकोही समज मे आ सकती है। पर, पटकथा मे मनुभंण्डारी जी की भाषा को समजते हुए एसा लगता है की, ए आम लोगो को

Scanned by CamScanner

समज मे आए ऐसी है. और लोगोको अपनी लगे
एसी भाषा जानबूजकर इस्तमाल कियी गयी है।

⑤ कथा के मुताबीक अड्डकल्लम परिवार को आंध्रा मे आकर बंधुआ मजदुरी करते हुए दो-चार साल हुए हैं पर पटकथा में मनुभंण्डारी जी वो आठ साल बताते हैं।

⑥ पटकथा में मुल्लस्सु तस्वीरे खीचने का आदेश देता है तब कैमरा सब दृश्यो पर आता है वहाँ दिखा दिया जाता है। की, नमक के साथ सुखी रोटी खाता एक बुढा आदमी और दुसरी झोपडी के बाहर एक आदमी अपनी आँख धो रहा है। आँख लाल और सुजी हुई है -- मजदूर यू.पी. या बिहार का होगा यह प्रसंग कथा मे र.शौरिराजन उल्लेख नही करते।

⑦ मुल्लस्सु तामिलनाडू मे अपनी पार्टी के साथ बैठा है। माहोल से लग रहा है जेसे किसी गम्भीर विषय पर बातचीत हो रही है। वह संवाद कथा मे कही दिखाई नही देता पर पटकथा में वो मन्नुभंडारी जी जानबुजकर डालते हैं।

⑧ पटकथा में जो मुल्लस्सू उसके पार्टी के आदमी को बताया है की देश के कोने कोने में बंधुआ मजदूर की चौरे इक्कठे किये है। तस्वीरे इकट्ठी की है। लोग ए सब कुछ देखकर हिल जाएंगे ये बडी विचारपूर्वक लिखा गया है पर ए पटकथा मे कही भी नजर नही आता

⑨ कथा में उल्लेख किये मुताबिक उस अड्डोकलम परिवार को लेने के लिए खुद मुल्लसर रवाना होता.

है। पर पटकथा मे मणुभण्डारी जे उल्लेख करते है की पार्टी का एक आदमी उस अड्डे कलम परिवार को पकड के लाने की जिम्मेदारी लेता है।

⑩ पटकथा में एक दृश्य के अंदर एक पार्टी का कार्यकर्ता आकर नये कपडे देता है। उसके बाद केली के पत्ने में स्वादिष्ट भोजन भी दिया जाता है। इसके बाद अड्डेकल्लम का बच्चा कपडे पर हाथ फेरते हुए जो कहता है। हम यहाँ रहेंगे कभी नही जाएगे पत्थर है तोडने पर छुपे हुए तौर पर कथा में है पर कथा मे इसका उल्लेख सिधे: से नही किया गया है।

⑪ पटकथा मे अड्डेक्कलम एक मिल के बाहर कुछ मजदुरो का झुंड दिखता है वहा देखने के लिए जाता है तब उसे को ताला लगाया गया है। अड्डकल्लम को फटकर भगाया जाता है.

14

Scanned by CamScanner

Shri Swami Vivekanand Shikshan Sanstha's

VIVEKANAND COLLEGE, KOLHAPUR (AUTONOMOUS)

2130, E Ward, Tarabai Park, Kolhapur, Maharashtra 416003

Student Marks Entry

Course: B.A. - TY SEM - V **Session:**DECEMBER-2022

Sr.No.	PRN No	Seat No	Student Name	Marks
Subject: HINDI-VII (DSE - 1016E1) - CIE				
1	2018014691	482013	LONDHE ANUJ CHANDRAKANT	9
2	2020014515	482021	BHOSALE CHANDRAKANT DNYANOBA	9
3	2020014540	482032	CHAVAN VIJAY RAMESH	10
4	2018014615	482071	KADAM ADITYA SHIVAJI	8
5	2020014624	482089	KHOT VAIBHAV RAJARAM	10
6	2020014638	482099	KUMAR ASHISH .	10
7	2020014645	482104	LAD NAMRATA KISHOR	9
8	2020014652	482108	KARTIK PRADEEP LAMBE	10
9	2019014711	482116	MALI ROHIT LAXMAN	9
10	2021015100	482136	NAVALEKAR AIMAN TAJUDDIN	10
11	2020014698	482141	TABASSUM RAFIK PATEL	10
12	2020014741	482172	RATHOD ASHOK BABU	9
13	2020014758	482183	SHAIKH JUVERIYA JAVED	10
14	2020014765	482189	SHINDE SRUSHTI LAXMAN	8

VIVEKANAND COLLEGE ESTD JUNE 1964 KOLHAPUR-416 003

Tapes
(Dr. D. R. Tape)

Internal Examiner

Mobile Number

Scanned by CamScanner

Shri Swami Vivekanand Shikshan Sanstha's

VIVEKANAND COLLEGE, KOLHAPUR (AUTONOMOUS)

2130, E Ward, Tarabai Park, Kolhapur, Maharashtra 416003

Student Marks Entry

Course: B.A. - TY SEM - V **Session:**DECEMBER-202

Sr.No.	PRN No	Seat No	Student Name	Marks
Subject: HINDI- VIII (DSE - 1016E2) - CIE				
1	2018014691	482013	LONDHE ANUJ CHANDRAKANT	9
2	2020014515	482021	BHOSALE CHANDRAKANT DNYANOBA	9
3	2020014540	482032	CHAVAN VIJAY RAMESH	10
4	2018014615	482071	KADAM ADITYA SHIVAJI	8
5	2020014624	482089	KHOT VAIBHAV RAJARAM	10
6	2020014638	482099	KUMAR ASHISH .	10
7	2020014645	482104	LAD NAMRATA KISHOR	9
8	2020014652	482108	KARTIK PRADEEP LAMBE	10
9	2019014711	482116	MALI ROHIT LAXMAN	9
10	2021015100	482136	NAVALEKAR AIMAN TAJUDDIN	10
11	2020014698	482141	TABASSUM RAFIK PATEL	10
12	2020014741	482172	RATHOD ASHOK BABU	9
13	2020014758	482183	SHAIKH JUVERIYA JAVED	10
14	2020014765	482189	SHINDE SRUSHTI LAXMAN	8

VIVEKANAND COLLEGE ESTD JUNE 1964 KOLHAPUR-416 003

Dr. A.S. Mahal

Internal Examiner **Mobile Number**

Scanned by CamScanner

Shri Swami Vivekanand Shikshan Sanstha's

VIVEKANAND COLLEGE, KOLHAPUR (AUTONOMOUS)

2130, E Ward, Tarabai Park, Kolhapur, Maharashtra 416003

Student Marks Entry

Course: B.A. - TY SEM - V **Session:**DECEMBER-202

Sr.No.	PRN No	Seat No	Student Name	Marks
Subject: HINDI-IX (DSE - 1016E3) - CIE				
1	2018014691	482013	LONDHE ANUJ CHANDRAKANT	9
2	2020014515	482021	BHOSALE CHANDRAKANT DNYANOBA	9
3	2020014540	482032	CHAVAN VIJAY RAMESH	10
4	2018014615	482071	KADAM ADITYA SHIVAJI	8
5	2020014624	482089	KHOT VAIBHAV RAJARAM	10
6	2020014638	482099	KUMAR ASHISH .	10
7	2020014645	482104	LAD NAMRATA KISHOR	9
8	2020014652	482108	KARTIK PRADEEP LAMBE	10
9	2019014711	482116	MALI ROHIT LAXMAN	9
10	2021015100	482136	NAVALEKAR AIMAN TAJUDDIN	10
11	2020014698	482141	TABASSUM RAFIK PATEL	10
12	2020014741	482172	RATHOD ASHOK BABU	9
13	2020014758	482183	SHAIKH JUVERIYA JAVED	10
14	2020014765	482189	SHINDE SRUSHTI LAXMAN	8

Dr. A-S. Malal

VIVEKANAND COLLEGE ESTD JUNE 1964 KOLHAPUR-416 003

Internal Examiner

Mobile Number

Scanned by CamScanner

Shri Swami Vivekanand Shikshan Sanstha's

VIVEKANAND COLLEGE, KOLHAPUR (AUTONOMOUS)

2130, E Ward, Tarabai Park, Kolhapur, Maharashtra 416003

Student Marks Entry

Course: B.A. - TY SEM - V **Session:**DECEMBER-202

Sr.No.	PRN No	Seat No	Student Name	Marks
Subject: HINDI-X (DSE - 1016E4) - CIE				
1	2018014691	482013	LONDHE ANUJ CHANDRAKANT	9
2	2020014515	482021	BHOSALE CHANDRAKANT DNYANOBA	9
3	2020014540	482032	CHAVAN VIJAY RAMESH	10
4	2018014615	482071	KADAM ADITYA SHIVAJI	8
5	2020014624	482089	KHOT VAIBHAV RAJARAM	10
6	2020014638	482099	KUMAR ASHISH .	10
7	2020014645	482104	LAD NAMRATA KISHOR	9
8	2020014652	482108	KARTIK PRADEEP LAMBE	10
9	2019014711	482116	MALI ROHIT LAXMAN	9
10	2021015100	482136	NAVALEKAR AIMAN TAJUDDIN	10
11	2020014698	482141	TABASSUM RAFIK PATEL	10
12	2020014741	482172	RATHOD ASHOK BABU	9
13	2020014758	482183	SHAIKH JUVERIYA JAVED	10
14	2020014765	482189	SHINDE SRUSHTI LAXMAN	8

Ismalad
Dr. A. S. Mahat

VIVEKANAND COLLEGE ESTD JUNE 1964 KOLHAPUR 416003

Internal Examiner

Mobile Number

Scanned by CamScanner

Shri Swami Vivekanand Shikshan Sanstha's

VIVEKANAND COLLEGE, KOLHAPUR (AUTONOMOUS)

2130, E Ward, Tarabai Park, Kolhapur, Maharashtra 416003

Student Marks Entry

Course: B.A. - TY SEM - V Session:DECEMBER-2022

Sr.No.	PRN No	Seat No	Student Name	Marks
Subject: HINDI-XI (DSE - 1016E5) - CIE				
1	2018014691	482013	LONDHE ANUJ CHANDRAKANT	9
2	2020014515	482021	BHOSALE CHANDRAKANT DNYANOBA	9
3	2020014540	482032	CHAVAN VIJAY RAMESH	10
4	2018014615	482071	KADAM ADITYA SHIVAJI	8
5	2020014624	482089	KHOT VAIBHAV RAJARAM	10
6	2020014638	482099	KUMAR ASHISH .	10
7	2020014645	482104	LAD NAMRATA KISHOR	9
8	2020014652	482108	KARTIK PRADEEP LAMBE	10
9	2019014711	482116	MALI ROHIT LAXMAN	9
10	2021015100	482136	NAVALEKAR AIMAN TAJUDDIN	10
11	2020014698	482141	TABASSUM RAFIK PATEL	10
12	2020014741	482172	RATHOD ASHOK BABU	9
13	2020014758	482183	SHAIKH JUVERIYA JAVED	10
14	2020014765	482189	SHINDE SRUSHTI LAXMAN	8

VIVEKANAND COLLEGE ESTD JUNE 1964 KOLHAPUR-416 003

(Dr. D. R. Tupe)

Internal Examiner

Mobile Number

Scanned by CamScanner

"ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यांसाठी शिक्षणप्रसार"

- शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे

श्री स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्था संचालित

विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापुर (स्वायत्त)

हिंदी विभाग

शैक्षिक वर्ष 2022 - 23

दि. 01/04/2023

नोटिस

वरीष्ठ महाविद्यालय के हिंदी विभाग के बी. ए. भाग एक, दो और तीन के सभी छात्रों को सूचित किया जाता है कि शैक्षिक वर्ष 2022-23 का दूसरे सत्र का अंतर्गत मूल्यमापन (होम असाइमेंट/ टेस्ट/ सेमिनार /प्रोजेक्ट) दि. 29/04/2023 तक कमरा क्रमांक - 23 में जमा करें।

डॉ. आरिफ महात

विभागाध्यक्ष,

हिंदी विभाग, विवेकानंद कॉलेज,

कोल्हापूर.

Scanned by CamScanner

Shri Swami Vivekanand Shikshan Sanstha's

VIVEKANAND COLLEGE, KOLHAPUR (AUTONOMOUS)

2130, E Ward, Tarabai Park, Kolhapur, Maharashtra 416003

Student Marks Entry

Course: B.A. - FY SEM - II **Session:** MAY-JUNE 2023

Sr.No.	PRN No	Seat No	Student Name	Marks
Subject: HINDI COMP (GEC-1012B) - CIE				
1	2022014001	337231	ADHAV RUTURAJ KAILAS	14
2	2022014007	337237	BAJAGE NISHA AMAR	12
3	2022014017	337247	BHOSALE OMKAR EKANATH	13
4	2022014030	337260	CHOUGALE VAISHNAVI ANIL	15
5	2022014032	337262	CHOUGULE SHRAVANI SANTOSH	15
6	2022014037	337267	DALVI SANIKA MANDAR	12
7	2022014048	337278	DINDE MANSI VILAS	14
8	2022014071	337301	GURAV SANIKA SANJAY	15
9	2022014076	337306	HUDLI SANIYA SALIM	15
10	2022014077	337307	JADHAV MANTHAN GAJENDRA	14
11	2022014090	337320	KALAKE ARYAN SAMBHAJI	14
12	2022014105	337335	PRAJAKTA BALASO KAMBLE	14
13	2022014109	337339	KAMBLE RUTIKA KUMAR	14
14	2022014113	337343	KAMBLE SHUBHAM SHRIDHAR	14
15	2022014130	337360	KHARADE SAHIL DAYANAND	15
16	2022014145	337375	LADGAONKAR PARCHI PRAKASH	15
17	2022014155	337385	MALI SHIVLING SAMBHAJI	14
18	2022014156	337386	MANDEKAR SHREYA MHATARU	15
19	2022014168	337398	AHMAD SHAFIKANJUM MULLA	15
20	2022014170	337400	NADAF MOIZE AJAJ	15
21	2022014192	337422	PATIL ATHARV ABHIMANYU	15
22	2022014193	337423	PATIL GANESH BHIMARAO	12
23	2022014201	337431	PATIL SHRAVANI RAJARAM	15
24	2022014219	337449	SANADI MUJJAMIL GULAB	14
25	2022014227	337457	SATHE SAKSHI DILIP	15
26	2022014242	337472	SURYAWANSHI PRANALI SANTOSH	15
27	2022014249	337479	TODKAR VAISHNAVI SAMBHAJI	15
28	2022014252	337482	ULAPE BHUMI RANJIT	15
29	2022014254	337484	ULAPE PALLAVI PANDIT	14
30	2022014271	337501	MANE SANIKA BALU	12
31	2022014293	337524	KAMBLE VINAYAK SUNIL	12

VIVEKANAND COLLEGE ESTD JUNE 1964 KOLHAPUR 416 003

Tupe
(Dr. D. R. Tupe)

Internal Examiner

Mobile Number

Scanned by CamScanner

॥ ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यांसाठी शिक्षण प्रसार ॥
- शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे

26278

Shri Swami Vivekanand Shikshan Sanstha Kolhapur's

VIVEKANAND COLLEGE, KOLHAPUR (AUTONOMOUS)

SUPPLIMENT

Signature of Supervisor	Name Nisha Amar Bajage

12/15

Suppliment No. : SEM - II

Roll No. : 4007

Class : BA - FY

Subject : Hindi Comp.

Test / Tutorial No. :

Div. :

प्र. • मानपत्र कहानी की कथावस्तु लिखिए।

उस्ताद ने हँस कर कुछ उदासी के साथ कहा था। बागेश्वरी में पंचम वर्जित है और पंचम ही तुम्हारा आधार है। बागेश्वरी में को जिस उलाहना की तरह कभी दीपंकर से कहा गया था। वही पंचम सुर संगीत के शिखर पर दीप की तरह दीपित दीपंकर के चरित्र का आधार बन कर संजीव की कहानी मानपत्र के कथासूत्र का विस्तार बनता है। संजीव की कहानी मानपत्र एक कलाकार के असहज जीवन की जीवंत कथा है। एक कलाकार की ऐसी कहानी जो उसके चमत्कृत कर देने वाले व्यक्तित्व और कृतित्व के पार्श्व की कहानी है। मंच के सामने की चौंध का हमसाया मंच परे का अँधियारा। अकसर ही दुनिया मंच की चमक में इस कदर मुब्तिला हो जाती है कि न किसी को इस बात का खयाल ही होता है कि मंच से परे भी कुछ है और न इस बात का कोई अंदाजा कि मंच के बरक्स उसका पार्श्व कितने घने अँधियारे में डूबा हुआ हो सकता है।

संजीव की कहानी 'मानपत्र' चमक में छिपे जाने वाले मानपत्रों से अलग कला के लिये जीने वाले दो कलाकारों के जीवन पर एकतरफा संवाद है। अंधेरे पक्ष का मानपत्र। स्तुति और प्रशस्ति से बिलकुल अलग। जीवन के धरातल की संघर्ष चिरातों की चरमराहट और कराह। पूरी कहानी कलाकार की तरह एक पुरुष की तरह दीपंकर को

Scanned by CamScanner

उसके अहंकार उसकी चारित्रिक कमजोरियों में पकड़ने और उघाड़ने (एक्सपोज़ करने) के लिये आगे बढ़ती है। वैसे तो यहाँ कहानी में तीन मुख्य पात्र हैं - बाबा, वीणा और दीपंकर। हाँ बाबा (उस्ताद) और वीणा (बाबा भी अपनी बेटी को वीणा कह कर पुकारने लगे थे। जो कहानी के तीसरे पात्र और वीणा के कलाकार को दीपंकर के कलाकार के अनुरूप बढ़ता - बदलता देखने के लिये किनारे खड़े थे अभिभावक। कला की ऊँचाइयों पर तो सिर्फ दीपंकर को ही पहुँचना था और वही पहुँचा भी। मानपत्र एक कलाकार के विकास और संघर्ष की कहानी तो है ही पूरे राग में तानपूरे पर निरंतर बजता है स्त्री - पुरुष के अहम का आदिम संघर्ष कलाकार के अहंकार में जब साथ - साथ घुल जाए तो नशा और असर दोनों दोगुने। एक समय वह भी आया। आना ही था कि दीपंकर की कला संगीत पर कम उसके मायावी प्रदर्शन पर ज्यादा केंद्रित हो गयी। वहीं कला अपने लिये प्रायोजक ढूंढने में लग गई और नथिंग सक्सीड्स लाइक सक्सेस, नथिंग फेल्स लाइक फेल्योर के बीच कहीं जब कलकत्ते में जो कुछ हुआ उससे ऊपर पुरुष का अहंकार जिंदगी के सबसे खास संघर्ष की कहानी पुरुष अहम का रूप मानपत्र के अहम में इस बात का प्रसंग है कि इस अहम के के ऊपर कलाकार के अहम का एक और आवरण है एक और आवरण है एक और सच्च। समाज में स्त्री - पुरुष सबसे संबंधों में स्त्री का आत्मोत्सर्ग ही परंपरा है। इसी से पुरुष और वीणा भी इसी समाज की दौर - दौरा फिर शुरू हो गया। वीणा की भूमिका उन्हें सजा संवार कर मंच पर भेजने की और सबसे पीछे तानपूरा ले कर बैठने कहानी में पूरी शिद्दत से आती है और उसके बरक्स खड़ा एक कलाकार पुरुष जिसे सुविधा के

आधार पर झुक आती कुछ हिस्सों में जो दर्ज किया गया है पर बाद में उसे संवाद नहीं दिया जाना कहानी के शिल्प पक्ष की तरह चुना गया है यह कहानी के अन्त में लड़खड़ा कर गिर पड़ता है यह कहानी का एक स्त्री के अहम की संतुष्टि का अभीष्ट अन्त में लड़खड़ा कर गिर पड़ता है यह कहानी का एक स्त्री के अहम की संतुष्टि का अभीष्ट अन्त होता है।

12/15

Shri Swami Vivekanand Shikshan Sanstha's

VIVEKANAND COLLEGE, KOLHAPUR (AUTONOMOUS)

2130, E Ward, Tarabai Park, Kolhapur, Maharashtra 416003

Student Marks Entry

Course: B.A. - FY SEM - II **Session:**MAY-JUNE 2023

Sr.No.	PRN No	Seat No	Student Name	Marks
Subject: HINDI OPT - II (DSC-1016B) - CIE				
1	2022014003	337233	ADSUL SANIKET SANJAY	14
2	2022014004	337234	ANSARI NILOFAR AMJAD	14
3	2022014006	337236	BADAVE VARAD PRAVIN	14
4	2022014007	337237	BAJAGE NISHA AMAR	14
5	2022014008	337238	BANKAR SANIKA ANIL	15
6	2022014009	337239	BEDADE AISHA JAMIR	15
7	2022014016	337246	BHOSALE ADITYA BALASO	15
8	2022014017	337247	BHOSALE OMKAR EKANATH	14
9	2022014029	337259	CHOUGALE SHIVLILA PANDURANG	14
10	2022014036	337266	DALAVI RAJVARDHAN RAGHUNATH	14
11	2022014038	337268	DANGE MADINA MIRASAB	13
12	2022014043	337273	DHANAVADE RUSHIKESH KANIFNATH	14
13	2022014048	337278	DINDE MANSI VILAS	15
14	2022014049	337279	DOIPHODE DIVYA SATISH	15
15	2022014051	337280	DUDHGAONKAR YASH MUKUND	12
16	2022014052	337282	GADHIRE DIVYA BHAGWAT	14
17	2022014059	337289	GAVHANE SOURABH NANADKUMAR	13
18	2022014060	337290	GAWADE ARYAN SACHIN	14
19	2022014050	337299	GOTE ARYAN SANDESH	14
20	2022014076	337306	HUDLI SANIYA SALIM	15
21	2022014078	337308	JADHAV NAMRATA SUNIL	15
22	2022014082	337312	JADHAV SUAYSH SANJAY	14
23	2022014084	337314	JAMADAR BEDADE SHAHABAJ JAMIR	14
24	2022014094	337324	KALUGADE SHWETA SNAJAY	15
25	2022014101	337331	KAMBLE KOMAL SANJAY	15
26	2022014102	337332	KAMBLE NIKHIL UDAY	15
27	2022014104	337334	KAMBLE POOJA DADASO	12
28	2022014107	337337	KAMBLE PRUTHVIRAJ SACHIN	14
29	2022014113	337343	KAMBLE SHUBHAM SHRIDHAR	14
30	2022014118	337348	KAPARE SHWETA PRASAD	15
31	2022014120	337350	KARPE PRACHI TATYASO	15
32	2022014126	337356	KHANDEKAR BHAGYASHRI RANJIT	15
33	2022014127	337357	KHANDEKAR SANIKA RAMESH	15
34	2022014132	337362	KHUTALE TANUJA ASHOK	15
35	2022014135	337365	KOLI PRAJWAL PRAKASH	14
36	2022014143	337373	LADE ARUNA DEVDAS	15
37	2022014161	337391	MITAKE VANDANA LAXMAN	15
38	2022014164	337394	MORE PRATIK PRAKASH	15

VIVEKANAND COLLEGE ESTD JUNE 1964 KOLHAPUR-416003

Internal Examiner **Mobile Number**

Scanned by CamScanner

Shri Swami Vivekanand Shikshan Sanstha's

VIVEKANAND COLLEGE, KOLHAPUR (AUTONOMOUS)

2130, E Ward, Tarabai Park, Kolhapur, Maharashtra 416003

Student Marks Entry

Course: B.A. - FY SEM - II | Session:MAY-JUNE 202

Sr.No.	PRN No	Seat No	Student Name	Marks
Subject: HINDI OPT - II (DSC-1016B) - CIE				
39	2022014169	337399	MULLA SHAFIN SAMIR	15
40	2022014170	337400	NADAF MOIZE AJAJ	15
41	2022014172	337402	NALAVADE ATUL GORAKH	15
42	2022014174	337404	NANGARE GANESH ASHOK	15
43	2022014176	337406	NASVALE SANA FARUK	15
44	2022014181	337411	PAKHALI RIYAJ FIROJ	15
45	2022014185	337415	PANDHARBALE SHIVYOGI ASHOK	14
46	2022014187	337417	PATEL SAIFALI FIROJ	15
47	2022014188	337418	PATHAN SANIYA AAYUBKHAN	15
48	2022014193	337423	PATIL GANESH BHIMARAO	15
49	2022014201	337431	PATIL SHRAVANI RAJARAM	15
50	2022014211	337441	POWAR OMKAR GUNDA	12
51	2022014012	337442	BHEKANE PRAGATI PRABHAKAR	15
52	2022014215	337445	SANTOSH PRAKASH RAJPUT	12
53	2022014219	337449	SANADI MUJJAMIL GULAB	15
54	2022014224	337454	SARJEKHAN SAHIL PAPALAL	15
55	2022014227	337457	SATHE SAKSHI DILIP	15
56	2022014228	337458	SATPUTE PRANAV UMAJI	15
57	2022014235	337465	SHINDE OM LAXMAN	14
58	2022014239	337469	SONULE AKANKSHA GULAB	15
59	2022014243	337473	SUTAR DHAIRYASHIL SUNIL	14
60	2022014246	337476	THAKARE ANURADHA PRAKASH	15
61	2022014257	337487	WAGAVEKAR RUTUJA JITENDRA	15
62	2022014266	337496	ZUGAR RASIKA DATTATRAY	15
63	2022014267	337497	KAMBLE ASHWAT PARAPPA	12
64	2022014279	337509	RATHOD MEGHA PRAKASH	15
65	2022014293	337524	KAMBLE VINAYAK SUNIL	14

Dr. A. S. Mahal

VIVEKANAND COLLEGE ESTD JUNE 1964 KOLHAPUR-416003

Internal Examiner

Mobile Number

Scanned by CamScanner

" ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यांसाठी शिक्षण प्रसार "
-शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे

Shri Swami Vivekanand Shikshan Sanstha Kolhapur's

VIVEKANAND COLLEGE, KOLHAPUR (AUTONOMOUS)

SUPPLIMENT 14/15

Signature of Supervisor

Suppliment No.: Varad Pravin Badave

Roll No.: 4006

Class: BAFY

Subject: Hindi

Test / Tutorial No.:

Div.:

प्र.) मिट्टी का भार' कविता का उद्देश्य लिखिए।

→ राष्ट्रकवी तथा शक्ती और सौंदर्य के उपासक कवि रामधारी सिंह 'दिनकर' की अजर-अमर कृति 'कुरुक्षेत्र' के सप्तक सर्गति 'मिट्टी का भार' काव्यांश लिया गया है। कुरुक्षेत्र पर नरसंहार महाभयानक युद्ध हुआ और पांडवो की विजय हुई। सभी लोग जीत की खुशी मना रहे थे। मगर अकेला युधीष्टिर आत्मातनि से अपने को कोस रहा था। अपने ही लोगो को मौत के घाट उतार कर मिला राजसिंहासन कॉटे की तरह चुभने लगा उसे, वन मे भागकर सन्यास लेने की इच्छा हुई। उनकी बेचैनी घुटन जब बढने लगी तब उन्हे पितामह से सारी मनोव्यथा आत्मलीन व्यक्त करते है, तब पितामह भीष्म उसे जो उपदेश देते है, पथ प्रदर्शनि मार्गदर्शनि करते है, वह इस प्रकार है।

हे युधीष्ठिर इस संसार से पलायन करके सन्यास ग्रहण करना मन की कायरता है। मनुष्य की सच्ची मनुष्यता इसी मे है की वह जीवन से पलायन न करके जीवन के साथ संघर्ष करे और उनकी उलझनों को सुलझाए। अपने व्यक्तिगत सुख को प्राप्त करना मनुष्य के लिए कठिन है। परंतु असंख्य लोगो को सुखी बनाना सबसे कठिन काम है। अर्थात 'स्वात सुखी' प्राप्ति सुलभ है, पर 'बहुजन हिताय' सुख का निर्माण करना अत्यंत कठिन है।

मनुष्य के सामने दो रास्ते है। एक रास्ता मनुष्य इस संसार से पलायन करके अपने को सुखी बनाने का प्रयत्न करे, अपने मे ही रम जाए और अपने ही मुक्ती की खोज करे अर्थात एकदम

Scanned by CamScanner

वैयाक्तिता की ओर झुक जाए। दुसरा रास्ता मनुष्य अपनी वैयाक्तिता के साथ-साथ अपनी बुद्दि की शक्ती से दुसरो को जगत के झंझटो से छुडवाकर स्वर्ग जैसा आद्वितीय सुख प्रदान करे अर्थात व्याक्तिगत सुख के साथ-साथ जनहित का भी बराबर ख्याल रखे। हे युधिष्ठिर जब तक मनुष्य जिवित रहता है, तबतक समस्त विश्व उसकी कर्मभूमि बना रहता है। जीवन के प्रत्येक अणु मे उसका कर्तव्य बना रहता है। कर्म करना मनुष्य का धर्म है। अतः अपने इस धर्म को छोडकर वह किसी भी प्रकार अपना सुख नही प्राप्त कर सकता। वह जहाँ भागकर जाएगा, कर्म वही उसके साथ लगा रहेगा। कर्मशील व्यक्ती कभी सन्यास ग्रहण करना उचित नही समझते और न यह उनका पथ है। मनुष्य का जीवन वास्तविकता है, कल्पना नही है और कि सन्यासी का जीवन कल्पना प्रधान होता है। इसलिए उसमे कर्तव्य भावना का अभाव रहता है। यही कारण है कि कर्मशील व्यक्ती सन्यस्त जीवन को स्वीकार नही करते।

हे युधिष्ठिर, जीवनदीप को निवृत्ती मार्ग के द्वारा बुझा लेना। अकर्मण्य बन जाना जीवन का कोई कल्याणकारी रुप नही है। ऐसे जीवन का कोई उपयोग नही है। मानव का सच्चा धर्म यही है कि कर्मण्य शक्ति के द्वारा वहाँ अपने जीवनदीप को जलाए रखे और संसार के दुःख रुपी अंधकार का नाश करे। इसलिए तुम अपने इन विषाद के आसुओं को पोछो, इस वैराग्य भावना को छोडकर कर्म-शक्ति लेकर उठो और जल्दी से वन मे नही बल्कि संसार मे जाओ, प्रवृत्ति की ओर उन्मुख हो और असंख्य नरो के जीवन मे उनकी आशा बनकर खडे रहो, अर्थात इस प्रकार के कर्म करो कि निराश व्यक्तियों के जीवन मे आशा का प्रचार हो जाए। हे युधिष्ठिर इस दुःख भार से टूटी हुई घायल पृथ्वी मे फिर से प्राणों का संचार करने के लिए इसे कर्मशीलता का अमृत पिलाना होगा और उसकी असंख्य बेलो के कुंज मे फिर से आशा के सुमन खिलाने होंगे अर्थात असंख्य भारतवासियों के जीवन मे जो निराशा के कारण बिलकुल ही अकर्मण्य बन गए है, फिर से कर्मण्यता और आशा का संचार करना होगा। तुम्हे उन अनेक मनुष्यो की आँखो के गर्म आंसुओं को सुखवाना होगा। जो महाभारत मे अपने भाई-बांधवो को छोडकर/खोकर दुख के कारण निरंतर रो रहे है और उनके अगणित दुःखी होंठो पर उनकी खोई हुई सुंदर हसी तुम्हे लौटानी होगी। अर्थात जो व्यक्ती दुःखी है, उनका दुख दूर करना होगा यह तुम्हारा परम कर्तव्य है।

Scanned by CamScanner

हे युधिष्ठिर कर्मशील संन्यासी बनकर संसार का यह भार सहन करो। अर्थात प्रवृत्ति और निवृत्ती दोनों को साथ लेकर चलो। क्योंकि संन्यासी का अधिक चिंतन करने से मनुष्य कुछ भी प्राप्त नही कर सकता। व्योम प्रवासी बनने से मनुष्य प्राप्त नही कर सकता, क्योंकि ऊपर आकाश मे जो कुछ भी है, वह तिरा सुनापन नही है। इसलिए जो सारतत्व है, वह इस संसार मे और संसार के संघर्ष मे ही है।

हे युधिष्ठिर। निवृत्ती मार्गी बनकर यदि तुम सांसारिक वस्तुओं का उपभोग करोगे तो भी तुम्हे कलंक नही लगेगा, इसलिए संसार का इस प्रकार उपभोग करो कि संसार मे तुम डुबो बल्कि संसार ही तुम मे डुब जाओ। यही संदेश दिनकरजीने "मिटटी का भार" कविता द्वारा दिया है।

14/15

Scanned by CamScanner

Shri Swami Vivekanand Shikshan Sanstha's

VIVEKANAND COLLEGE, KOLHAPUR (AUTONOMOUS)

2130, E Ward, Tarabai Park, Kolhapur, Maharashtra 416003

Student Marks Entry

Course: B.A. - SY SEM - IV

Session:MAY-JUNE 2023

Sr.No.	PRN No	Seat No	Student Name	Marks
Subject: HINDI PAPER-V (DSC-1016D1) - CIE				
1	2021014512	410128	BARALE VISHAL DILIP	14
2	2021014520	410130	Bhosale Soham Vilas	14
3	2021014582	410158	INGOLE BAPU NAVANATH	15
4	2021014597	410166	JIRAGE CHARAN SUNIL	15
5		410174	KAMBLE AKSHAY AJAY	12
6	2021014614	410175	KAMBLE HRUTIKA SUDHIR	15
7	2021014636	410190	KATKAR AKASH MARUTI	15
8	2021014641	410195	KHARARE SAHIL NANDKUMAR	15
9	2021014652	410201	Kumbhar Sakshi Rahul	15
10	2021014661	410205	LIGADE MANASI JITENDRA	15
11	2021014663	410207	LINGAM KATYAYANI VINAYAK	15
12	2021014664	410208	Londhe Sandesh Tanaji	14
13	2021014665	410210	MACHHALE ABHISHEK UMAKANT	15
14	2021014680	410221	Mane Tejashri Sanjay	15
15	2021014687	410223	MIRAJKAR SAKSHI MAHESH	15
16	2021014697	410226	MUJAWAR ARMA RAFIK	15
17	2021014699	410227	MULLA AMAN MUBARAK	15
18	2021014704	410229	NAIK ABHIJEET BHAGWAN	15
19	2021014705	410230	NAIKWADI TAHASIN ARIF	15
20	2021014706	410231	NALAWADE AKANKSHA ANANDRAO	15
21	2021014711	410233	NANDE OMKAR MAHADEV	15
22	2021014715	410236	NEJE SUSHANT SURESH	14
23	2021014723	410241	PARIT SNEHAL SHIVAJI	15
24	2021014731	410245	Patil Abhijeet Krishnat	15
25	2021014744	410252	PATIL NANDINI BHAUSO	14
26	2021014750	410255	PATIL PRATHMESH SARJERAO	13
27	2021014754	410258	PATIL RAJNANDAN PANDURANG	14
28	2021014761	410263	PATIL SIDDHESH RAMESH	15
29	2021014776	410273	POWAR KIRTI RAMCHANDRA	14
30	2021014799	410289	SARNAIK VIGHNESH RUPESH	15
31	2021014803	410291	SHAIKH HEENA ILAI	15
32	2021014807	410293	SHIKALGAR ASIF SAJID	15
33	2021014828	410302	Tashildar MohammadSufiyan Javed	15
34	2021014833	410304	TORAGALE AISHWARYA YALLAPPA	15
35	2021014838	410308	ulsar pooja shashikant	15
36	2021014842	410310	RUTUJA RAJENDRA VHARAMBALE	15
37	2021014845	410312	Wali Sakshi Suresh	15
38	2021014861	410317	PAWAR UDAY RAMCHANDRA	12

Internal Examiner

VIVEKANAND COLLEGE ESTD JUNE 1964 KOLHAPUR 416003

Mobile Number

Scanned by CamScanner

Shri Swami Vivekanand Shikshan Sanstha's

VIVEKANAND COLLEGE, KOLHAPUR (AUTONOMOUS)

2130, E Ward, Tarabai Park, Kolhapur, Maharashtra 416003

Student Marks Entry

Course: B.A. - SY SEM - IV

Session:MAY-JUNE 202

Sr.No.	PRN No	Seat No	Student Name	Marks
Subject: HINDI PAPER-V (DSC-1016D1) - CIE				
39	2021014611	410321	KAMBLE ANIKET KUMAR	14

VIVEKANAND COLLEGE ESTD JUNE 1964 KOLHAPUR 416003

Tupe
(Dr. D. R. Tupe)

Internal Examiner

Mobile Number

Scanned by CamScanner

" ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यांसाठी शिक्षण प्रसार "
- शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे

Signature of Supervisor

Shri Swami Vivekanand Shikshan Sanstha's
VIVEKANAND COLLEGE (Autonomous), KOLHAPUR

Class Hindi (Opt) Div sem IV, B.A. II Roll No. 4484

Suppliment No. Name : Manasi J. Ligade. Subject Hindi (Opt)

Test / Tutorial No. Home Assingment.

प्रश्न. 'अभंग गाथा' नाटक के आधार पर तुकाराम महाराज का चरित्र - चित्रण कीजिए।

→ 'अभंग - गाथा' नाटक की चरित्र की अवधारणा पर विचार करते हुए हमारा ध्यान परम्परागत नाट्य की ओर जाता है। तब ऐसा लगता है जैसे आधुनिकता मे भी परम्परा की तलाश कर रहे है। यह सोच कई हद तक स्वाभाविक ही है। आज भी हिन्दी नाटक के आलोचक नाटक अध्ययन - अध्यापन पुरानी और परम्परागत मान्यताओं के आधार पर करते हैं। जरुरत है आज के हिन्दी नाटक से जूझने की, हिन्दी नाटक को जांचने, परखने का हमारा तरीका पुराना है ना ही इस दिशा में कुछ ना इजाद किया है। चरित्र नायक की अवधारणा पर बात करनी है तो परम्परा बनाम आधुनिकता के संदर्भ मे करनी होगी। नाटक के चरित्र उस अवधारणा को समझे जो परम्परागत हैं। और जो आज भी कहीं न कहीं हमे परेशान किये हैं। नायक को धैर्यवान होना ही है दूसरी बात उसे अधम प्रकृति का नही होना है। इन दो बातों को यदि ध्यानपूर्वक देखे तो हमारी नाट्य - परम्परा जो जो परम्परागत है व्यक्ति के व्यक्ति होने को तभी सार्थक मानती है जब वह नायक होने के गुण अपने भीतर रखता हो और वह इस तरह उस चरित्र की कल्पना करने लगती है। जो व्यक्ति का व्यक्तित्व परिस्थितियों के सापेक्ष नहीं बनता, परिस्थितियों को चुनौती देकर निर्मित होता है। जिसमे परिस्थितियों की जितनी अधिक चुनौती देने की सामर्थ है

Scanned by CamScanner

उतना ही वह व्यक्ति उत्तमता के अधिक समीप ठहरकर अपने को नायक घोषित करता है। व्यक्ति के चरित्र की सार्थकता समाज विरोधी होने में नहीं है। समाज का हितैषी होने में है। व्यक्ति के चरित्रवान होने की अनिवार्य शर्त उसका सामाजिक स्वरूप है जो समाज के सामने अच्छे आदर्श प्रस्तुत करे जो व्यक्ति समस्याओं को प्रभावहीन न कर सके, जो समस्याओं को अपने अनुकूल न मोड़ सके उसका कोई चरित्र नहीं है, उसकी कोई सार्थकता नहीं है।

हिन्दी नाटक अपने परम्परागत नायक से जाने अनजाने विरोध कर रहा है। अब नाटक का नायक एक सामान्य व्यक्ति होता है। एक सीमा तक वह समस्याओं से जूझता हुआ, एक व्यक्ति होता है। कहीं वह समाज विरोधी है तो कहीं समाज सापेक्ष भी। उसका आदर्श होता है यथार्थ को झेलना। नाटक नेता के भीतर चरित्र का विरोध नहीं कर रहा है। वह नायक की परम्परागत अवधारणा का ही विरोध कर रहा है।

पुरुष पात्रों का चरित्र-चित्रण.

तुकाराम:-

'तुकाराम अभंग-गाथा' नाटक का प्रमुख पात्र है। नाटककार ने जैसे नाटकों की भूमिका में यह स्वीकार किया है कि 'अभंग-गाथा' मराठी के संत कवि तुकाराम पर केंद्रित नाटक है।

1) सनई मिजाज
2) विद्रोह
3) दयालु स्वभाव और उदार हृदय
4) सत्य के प्रति निष्ठा
5) मानवता
6) विट्ठल की ली
7) शब्द धन के कुबेर

5

७) संतई गिजाज:-

तुकाराम संत थे। मनुष्य की सद्वृत्तियों को विशेषित करने के लिए संत शब्द का प्रयोग हुआ है। संत शब्द का प्रयोग हुआ है। संत उसे कहेंगे जिसमे सद्भाव और साद्भाव होता है जो सद्गुणों से सम्पन्न आध्यात्मिक साधना में जुट, लौकिक उपनाओं और वासनाओं से कटा व्यक्ति। जिसमें आचरण की पवित्रता है, लोक कल्याण की भावना है। इसके कारण ने जनसामान्य में विशेष महत्ता के पात्र होते हैं। संत निरबैरी, निष्काम कर्म। भगवान से प्रेम। विषय वासनाओं से दूर रहता है। तुकाराम ने तानाजी और उसका बेटा फतेह को अपने है।

15/15

Scanned by CamScanner

Shri Swami Vivekanand Shikshan Sanstha's

VIVEKANAND COLLEGE, KOLHAPUR (AUTONOMOUS)

2130, E Ward, Tarabai Park, Kolhapur, Maharashtra 416003

Student Marks Entry

Course: B.A. - SY SEM - IV **Session:**MAY-JUNE 202

Sr.No.	PRN No	Seat No	Student Name	Marks
Subject: HINDI PAPER-VI (DSC-1016D2) - CIE				
1	2021014512	410128	BARALE VISHAL DILIP	14
2	2021014520	410130	Bhosale Soham Vilas	14
3	2021014582	410158	INGOLE BAPU NAVANATH	15
4	2021014597	410166	JIRAGE CHARAN SUNIL	15
5		410174	KAMBLE AKSHAY AJAY	12
6	2021014614	410175	KAMBLE HRUTIKA SUDHIR	15
7	2021014636	410190	KATKAR AKASH MARUTI	15
8	2021014641	410195	KHARARE SAHIL NANDKUMAR	15
9	2021014652	410201	Kumbhar Sakshi Rahul	15
10	2021014661	410205	LIGADE MANASI JITENDRA	15
11	2021014663	410207	LINGAM KATYAYANI VINAYAK	15
12	2021014664	410208	Londhe Sandesh Tanaji	14
13	2021014665	410210	MACHHALE ABHISHEK UMAKANT	15
14	2021014680	410221	Mane Tejashri Sanjay	15
15	2021014687	410223	MIRAJKAR SAKSHI MAHESH	15
16	2021014697	410226	MUJAWAR ARMA RAFIK	15
17	2021014699	410227	MULLA AMAN MUBARAK	15
18	2021014704	410229	NAIK ABHIJEET BHAGWAN	15
19	2021014705	410230	NAIKWADI TAHASIN ARIF	15
20	2021014706	410231	NALAWADE AKANKSHA ANANDRAO	15
21	2021014711	410233	NANDE OMKAR MAHADEV	15
22	2021014715	410236	NEJE SUSHANT SURESH	14
23	2021014723	410241	PARIT SNEHAL SHIVAJI	15
24	2021014731	410245	Patil Abhijeet Krishnat	15
25	2021014744	410252	PATIL NANDINI BHAUSO	14
26	2021014750	410255	PATIL PRATHMESH SARJERAO	13
27	2021014754	410258	PATIL RAJNANDAN PANDURANG	14
28	2021014761	410263	PATIL SIDDHESH RAMESH	15
29	2021014776	410273	POWAR KIRTI RAMCHANDRA	14
30	2021014799	410289	SARNAIK VIGHNESH RUPESH	15
31	2021014803	410291	SHAIKH HEENA ILAI	15
32	2021014807	410293	SHIKALGAR ASIF SAJID	15
33	2021014828	410302	Tashildar MohammadSufiyan Javed	15
34	2021014833	410304	TORAGALE AISHWARYA YALLAPPA	15
35	2021014838	410308	ulsar pooja shashikant	15
36	2021014842	410310	RUTUJA RAJENDRA VHARAMBALE	15
37	2021014845	410312	Wali Sakshi Suresh	15
38	2021014861	410317	PAWAR UDAY RAMCHANDRA	12

VIVEKANAND COLLEGE ESTD JUNE 1964 KOLHAPUR-416 003

Internal Examiner **Mobile Number**

Scanned by CamScanner

Shri Swami Vivekanand Shikshan Sanstha's

VIVEKANAND COLLEGE, KOLHAPUR (AUTONOMOUS)

2130, E Ward, Tarabai Park, Kolhapur, Maharashtra 416003

Student Marks Entry

Course: B.A. - SY SEM - IV **Session:**MAY-JUNE 202

Sr.No.	PRN No	Seat No	Student Name	Marks
Subject: HINDI PAPER-VI (DSC-1016D2) - CIE				
39	2021014611	410321	KAMBLE ANIKET KUMAR	14

Dr A. S. Mahal

VIVEKANAND COLLEGE ESTD JUNE 1964 KOLHAPUR-416 003

Internal Examiner **Mobile Number**

Scanned by CamScanner

Name - Akanksha Ananda Nalawade

॥ ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यांसाठी शिक्षण प्रसार ॥

- शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे

26347

Shri Swami Vivekanand Shikshan Sanstha Kolhapur's

VIVEKANAND COLLEGE, KOLHAPUR (AUTONOMOUS)

SUPPLIMENT

Signature of Supervisor

15

Suppliment No. : 01

Roll No. : 4510

Class : B.A (II)

Subject : Hindi (opt)

Test / Tutorial No. :

Div. :

1) 'सबसे खतरनाक खतरनाक होता है' कविता का आशय स्पष्ट किजिए।

→ 'प्रस्तुत कविता के कवि पाश का मुल नाम अवतार सिंह सिंधू है। इनका जन्म 1950 ई. में पंजाब राज्य के जालंधर जिले के तलवंडी सलेम गाँव में हुआ।

कवि पाश उन उपस्थित बताते रहा है जो बुरी तो होती है पर खतरनाक नही होती है। और सबसे खतरनाक कौनसी स्थिती होती है अपनी की अंदर की संवेदनाओ, कल्पनाओ, सपनों का मर जाना। तो इस कविता के अंतर्गत से बताया गया है की कौनसी स्थिती बुरी है और कौन सी कितनी खतरनाक होती है। हम जो मेहनत से जो कमाते है। हम से कोई ले जाए। डाके, चोरा के, किसी तरह से ले जाते है। वो चीज खतरनाक नही है। वो चीज बुरी होती है। पुलिस से मार मिलना वो भी खतरनाक नही होता। वो बुरी होती है। किसी से रिश्वत देना या रिश्वत लेना। खतरनाक नही है। वो बुरी होती है। हमने कोई जुल्लून कोई हमने अपराध नही किया। फिर भी हम पकड गये तो ये बात बुरी है। हम इस स्थिती में कुछ गलत नही किया फिर भी हम पकड जाए। तब हम एकदम से चुप हो जाते है। ये बात बुरी तो है पर खतरनाक नही है। चारों तरफ भ्रष्टचार है सब कुछ एक, हम ही जो सही है बोल रही है। जो हम बोल रही है उस हमारे आवज को दाबाया जाता है मतलब हम सही है लेकिन तब भी हमारी आवाज को दबाया है तो ये परिस्थिती बुरी है। बहुत ही कम सुविधा होना। तो बुरी परिस्थिती

Scanned by CamScanner

इन परिस्थिती में हम चुपचाप बैठ कर अपनी मुट्ठियों भींचकर बस इस तरह हैं। अपना जीवन बिताये तो ये परिस्थिती बुरी तो नही है। पर सबसे खतरनाक नही है। लेकीन खतरनाक नहि है।

अब वो स्थितीयाँ की बता रही है। जो खतरनाक होती है। जब हमारे साथ कुछ भी गलत घटित हूँ। मगर हम एकदम शांत होते है। हम उसका विरोध ना करे चुपचाप हम बिना विद्रोह के सारी चिजो को सेहते चले जाए वो सबसे खतरनाक होता है। अपना जीवन एक मशीन तरह हूँ गई है। मतलब हमारे जीवन में कोई उत्साह ना रहा है। जैसे मशीन चलती है। वैसे हम चल रही है। तो वो स्थिती सबसे खतरनाक होता है। और सबसे खतरनाक होता है। अपने सपनों का मर जाना अर्थात हम मशीन तरह चल रही है। हमारे अन्दर कोई कल्पना, कोई लक्ष्य कोई सपना कुछ नहि है। ये स्थिती खतरनाक है। और सबसे खतरनाक वो स्थिती है। जब जानने हमारे हाथ में बंदी हुँई घड़ी कल कलाई घड़ी चल रही है। और जब हम समझे ये जीवन स्थिर है। अर्थात ये है की जीवन का परिवर्तन बदल रहा है। उसके साथ अपने अन्दर का परिवर्तन बदल नहि करने। हम बस मशीन की तरह चलते रहे तो परिवर्तन जीवन का नियम है। ये चीज मानुली है। जब जीवन परिवर्तन कर रहा है। तब भी हम समझे जीवन स्थिर है रुका है। ये सबसे खतरनाक है।

सबसे खतरनाक वो आँख होती है। जो अपने आसपास गलत चीज को वो देख रही है। लेकीन तब भी वो आँखो से चूपचाप देख रही है। लेकीन कुछ कदम नहि उठा रही है तो वो आँख सबसे खतरनाक होती है। और वो नजर दुसरों लोगों को प्यार देना भूल जाती है। लेकीन उनका स्वभाव दुसरो के लिए प्यार नहि होता। अपने आसपास घटित गलत चीजें मतलब कुछ भी गलत कर रहे वो आँख सिर्फ देख कर चली जाते है। उसको कुछ भी वो कुछ नहि करने। मतलब वो सिर्फ अपने रोजमर्रा जिंदगी जी रही है। उसको उनका कोई लक्ष्य नहि है। बस वो अपनी जीवन रोजमर्रा के तरह जी रही वो उसके लक्ष्य के लिए तयार नहीं है।

ये कहते है की सबसे खतरनाक वो आँख होती है। जब कही हत्याकांड होता है मतलब बहुत लोगो को एक साथ मार जाता है। वो अकेला गवाह होता है। वो हत्याकांड का लेकीन जब वो चेहता है। तब सभी लोक शांत हूँ जाते है। तब वो चाँद की

Scanned by CamScanner

देखकर सब को तकलीफ होनी चाहिए।
सबसे खतरनाक वो गीत होता है। जो किसी की मरने के पर गाये जाते है। किसके मर जाने से ऐसे डर ही लोग डर जाते है। और उस परिस्थिती में ये गीत लोगो के दिल पर जा कर और डरा देता है। और वो रात सबसे खतरनाक होती है। जो उस रात कोई मर जाता है। उसके पिछे रोने वालों के लिए वो रात बहुत ही खतरनाक होती है। जिसमें सिर्फ उल्लु बोल जाते है। उस परिस्थिती अपना साथ मर चूका है तब उस रात में उस सन्नाटा में जैसे उल्लु ध्वनि जंगल में हुँआ - हुँआ करते और गीदड करते है। वैसे परिस्थिती उस व्यक्ती की हालत हो जाते है। जैसे के जंगल में रात को सभी तरह अँधेरा हो जाता है और उसे गीदड छिपके रहते है। वैसे उस व्यक्ती की परिस्थिती होती है। जिसका साथी उसको छोडकर चले जाता है। वो रात सबसे खतरनाक होती है।
वो जगा सबसे खतरनाक होती है। जहाँ पर हमारि आत्मा हमारा साथ छोडते है। जब हमारा आत्मा हमको छोड जाते है। मतलब हमरा दिमाग हमारा साथ छोडते है। जब हमारा आत्मा छोडकर चला जाता तब हमारा शरिर मुरदा के तरह हो जाता है। मतलब हमारी अच्छाई उस आत्मा के साथ चली जाती है। सिर्फ हमारे बुराई रह जाती है। तब हमारी शरिर सुर्य के धूप जाये तो हमरि धूप के हमारे अंदर अच्छाई नहीं रही तो हम को तकलिफ ही हो जायेंगी। पुरष का मतलब होता अच्छाई का प्रतीक होता है। अच्छाई तरह कोई चीजे हमारे शरिर को चुभे तो हमको तकलीफ होगी। मेहनत के लोट खतरनाक नहीं होता। कोई लेकर चले जाए तो हमे कुछ नहीं होता क्योंकी उसको वापस पाया जाता है। पुलिस की मार सबसे खतरनाक नहीं होता। गद्दारी - लोभ की मुट्ठी सबसे खतरनाक नहि होता।
कवी का मानना है कि मेहनत की लुट, पुलिस की मार गद्दारी - लोभ की मुट्ठी खतरनाक स्थितियाँ तो है, परंतु अन्य बातों से कम खतरनाक है। बिना कारण पकडे जाना, कपट के वातावरण में सच्ची बात गुम होना या विवशतावश समय गुजार लेना या गरीबी में दिन काटना आदि बुरी दशाएँ है, परंतु खतरनाक नहीं। कवि कहता है

Scanned by CamScanner

कि सबसे खतरनाक वह है जब व्यक्ती में मुर्दों जैसी शांति भर जाती है। ऐसी स्थिति में व्यक्ति की विरोध-शक्ती समाप्त हो जाती है। व्यक्ती बँधे-बँधाए ढरे पर चलता है तो उसके सपने समाप्त हो जाते हैं। समय की गति रुकना भी खतरनाक दशा है, क्योंकि व्यक्ति समय के अनुसार बदल नहीं पाता।

मनुष्य की संवेदनशून्यता है भी खतरनाक है। अन्याय के प्रति विद्रोह की भावना समाप्त होना भी गलत है। गीत भी जब मरसिए पढ़कर सुनाने लगे और आतंकित व्यक्तियों के दरवाजों पर अकड़ दिखाए तो वह भी खतरनाक होता है। उल्लू व गीदड़ो की आवाज युक्त रात भी खतरनाक है। कवि कहता है कि जब मनुष्य आत्मा की आवाज को अनसुना कर देता है तो वह संवेदनशून्य हो जाता है। मेहनत की लुटना, पुलिस की मार, गद्दारी व लोभ की दशा अधिक खतरनाक नहीं है

कवि यहाँ उन स्थितियों का वर्णन करता है जो मानव को दुख तो देती है, परंतु सबसे खतरनाक नहीं है क्योंकि उसे फिर पाया जा सकता है। पुलिस की मार पड़ना भी इतनी खतरनाक नहीं है, किसी के साथ गद्दारी करना अथवा लोभवश रिश्वत देना भी खतरनाक है, परंतु अन्य बातों जितना नहीं वह कहता है कि किसी दोष के बिना पुलिस द्वारा पकड़े जाने से बुरा लगता है, तथा अन्यया को डरकर चुपचाप सहन करना भी बुरी बात है। परंतु यह सबसे खतरनाक स्थिती नहीं है। छल-कपट के माहौल में सच्ची बातें छिप जाती है, कोई जुगनू की लौ में पढ़ना है अर्थात् साधनहीनता में गुजारा करता है, विवशतावश अन्यया को सहन कर समय गुजार देना आदि बुरी तो है, परंतु सबसे खतरनाक नहीं है। कई कई बातें ऐसी है जो बड़ा खतरनाक है और उनके परिणाम दूरगामी होते है।

कवि कहता है की वो गीत खतरनाक है जो मनुष्य के हृदय में शोक की लहर दौड़ते है। वास्तुतः ये गीत मृत्यु पर गाए जाते है तथा भयभीत लोगों को और डराते है, उन्हें गुंडों की तरह धमकाते है तथा अकड़ते है। कवि ऐसे गीतों को निरर्थक मानता है। क्योंकी ये प्रतिरोध के भाव को नहीं जगाते। वह कहता है कि जब किसी जिवित आत्मा के आसमान पर निराशा रूपी रात्रि का घना अँधेरा छा जाता और उसमें कोई उत्साह नहीं रह जाता, ऐसी रात बहुत खतरनाक होती है।

Scanned by CamScanner

Shri Swami Vivekanand Shikshan Sanstha's

VIVEKANAND COLLEGE, KOLHAPUR (AUTONOMOUS)

2130, E Ward, Tarabai Park, Kolhapur, Maharashtra 416003

Student Marks Entry

Course: B.A. - TY SEM - VI **Session:**MAY-JUNE 2023

Sr.No.	PRN No	Seat No	Student Name	Marks
Subject: HINDI PAPER XII (DSE1016F1) - CIE				
1	2020014515	483241	BHOSALE CHANDRAKANT DNYANOBA	10
2	2020014540	483252	CHAVAN VIJAY RAMESH	10
3	2020014624	483309	KHOT VAIBHAV RAJARAM	10
4	2020014638	483319	KUMAR ASHISH .	9
5	2020014645	483324	LAD NAMRATA KISHOR	9
6	2020014652	483328	KARTIK PRADEEP LAMBE	10
7	2018014691	483333	LONDHE ANUJ CHANDRAKANT	10
8	2019014711	483336	MALI ROHIT LAXMAN	10
9	2021015100	483356	NAVALEKAR AIMAN TAJUDDIN	10
10	2020014698	483361	TABASSUM RAFIK PATEL	10
11	2020014741	483392	RATHOD ASHOK BABU	10
12	2020014758	483403	SHAIKH JUVERIYA JAVED	10
13	2020014765	483409	SHINDE SRUSHTI LAXMAN	10
14	2019014593	483429	GHATAGE SHRUTI ANIL	9
15	2018014615	483439	KADAM ADITYA SHIVAJI	9

VIVEKANAND COLLEGE ESTD JUNE 1964 KOLHAPUR-416 003

Tupe
(Dr. D. R. Tupe)

Internal Examiner **Mobile Number**

Scanned by CamScanner

Shri Swami Vivekanand Shikshan Sanstha's

VIVEKANAND COLLEGE, KOLHAPUR (AUTONOMOUS)

2130, E Ward, Tarabai Park, Kolhapur, Maharashtra 416003

Student Marks Entry

Course: B.A. - TY SEM - VI **Session:** MAY-JUNE 2023

Sr.No.	PRN No	Seat No	Student Name	Marks
Subject: HINDI PAPER XIII (DSE1016F2) - CIE				
1	2020014515	483241	BHOSALE CHANDRAKANT DNYANOBA	10
2	2020014540	483252	CHAVAN VIJAY RAMESH	10
3	2020014624	483309	KHOT VAIBHAV RAJARAM	10
4	2020014638	483319	KUMAR ASHISH .	9
5	2020014645	483324	LAD NAMRATA KISHOR	9
6	2020014652	483328	KARTIK PRADEEP LAMBE	10
7	2018014691	483333	LONDHE ANUJ CHANDRAKANT	10
8	2019014711	483336	MALI ROHIT LAXMAN	10
9	2021015100	483356	NAVALEKAR AIMAN TAJUDDIN	10
10	2020014698	483361	TABASSUM RAFIK PATEL	10
11	2020014741	483392	RATHOD ASHOK BABU	10
12	2020014758	483403	SHAIKH JUVERIYA JAVED	10
13	2020014765	483409	SHINDE SRUSHTI LAXMAN	10
14	2019014593	483429	GHATAGE SHRUTI ANIL	9
15	2018014615	483439	KADAM ADITYA SHIVAJI	9

VIVEKANAND COLLEGE ESTD JUNE 1964 KOLHAPUR-416 003

Dr A.S. Mahat

Internal Examiner

Mobile Number

Scanned by CamScanner

Shri Swami Vivekanand Shikshan Sanstha's

VIVEKANAND COLLEGE, KOLHAPUR (AUTONOMOUS)

2130, E Ward, Tarabai Park, Kolhapur, Maharashtra 416003

Student Marks Entry

Course: B.A. - TY SEM - VI **Session:**MAY-JUNE 202

Sr.No.	PRN No	Seat No	Student Name	Marks
Subject: HINDI PAPER XV (DSE1016F4) - CIE				
1	2020014515	483241	BHOSALE CHANDRAKANT DNYANOBA	10
2	2020014540	483252	CHAVAN VIJAY RAMESH	10
3	2020014624	483309	KHOT VAIBHAV RAJARAM	10
4	2020014638	483319	KUMAR ASHISH .	9
5	2020014645	483324	LAD NAMRATA KISHOR	9
6	2020014652	483328	KARTIK PRADEEP LAMBE	10
7	2018014691	483333	LONDHE ANUJ CHANDRAKANT	10
8	2019014711	483336	MALI ROHIT LAXMAN	10
9	2021015100	483356	NAVALEKAR AIMAN TAJUDDIN	10
10	2020014698	483361	TABASSUM RAFIK PATEL	10
11	2020014741	483392	RATHOD ASHOK BABU	10
12	2020014758	483403	SHAIKH JUVERIYA JAVED	10
13	2020014765	483409	SHINDE SRUSHTI LAXMAN	10
14	2019014593	483429	GHATAGE SHRUTI ANIL	9
15	2018014615	483439	KADAM ADITYA SHIVAJI	9

VIVEKANAND COLLEGE ESTD JUNE 1964 KOLHAPUR-416003

Dr. A.S. Mahat

Internal Examiner

Mobile Number

Scanned by CamScanner

Shri Swami Vivekanand Shikshan Sanstha's

VIVEKANAND COLLEGE, KOLHAPUR (AUTONOMOUS)

2130, E Ward, Tarabai Park, Kolhapur, Maharashtra 416003

Student Marks Entry

Course: B.A. - TY SEM - VI | Session:MAY-JUNE 2023

Sr.No.	PRN No	Seat No	Student Name	Marks
Subject: HINDI PAPER XVI (DSE1016F5) - CIE				
1	2020014515	483241	BHOSALE CHANDRAKANT DNYANOBA	10
2	2020014540	483252	CHAVAN VIJAY RAMESH	10
3	2020014624	483309	KHOT VAIBHAV RAJARAM	10
4	2020014638	483319	KUMAR ASHISH .	9
5	2020014645	483324	LAD NAMRATA KISHOR	9
6	2020014652	483328	KARTIK PRADEEP LAMBE	10
7	2018014691	483333	LONDHE ANUJ CHANDRAKANT	10
8	2019014711	483336	MALI ROHIT LAXMAN	10
9	2021015100	483356	NAVALEKAR AIMAN TAJUDDIN	10
10	2020014698	483361	TABASSUM RAFIK PATEL	10
11	2020014741	483392	RATHOD ASHOK BABU	10
12	2020014758	483403	SHAIKH JUVERIYA JAVED	10
13	2020014765	483409	SHINDE SRUSHTI LAXMAN	10
14	2019014593	483429	GHATAGE SHRUTI ANIL	9
15	2018014615	483439	KADAM ADITYA SHIVAJI	9

VIVEKANAND COLLEGE ESTD JUNE 1964 KOLHAPUR-416003

Tupe
(Dr. D. R. Tupe)

Internal Examiner

Mobile Number

Scanned by CamScanner

Shri Swami Vivekanand Shikshan Sanstha's

VIVEKANAND COLLEGE, KOLHAPUR (AUTONOMOUS)

2130, E Ward, Tarabai Park, Kolhapur, Maharashtra 416003

Student Marks Entry

Course: B.A. - TY SEM - VI

Session:MAY-JUNE 2023

Sr.No.	PRN No	Seat No	Student Name	Marks
Subject: HINDI PAPER XIV (DSE1016F3) - CIE				
1	2020014515	483241	BHOSALE CHANDRAKANT DNYANOBA	10
2	2020014540	483252	CHAVAN VIJAY RAMESH	10
3	2020014624	483309	KHOT VAIBHAV RAJARAM	10
4	2020014638	483319	KUMAR ASHISH .	9
5	2020014645	483324	LAD NAMRATA KISHOR	9
6	2020014652	483328	KARTIK PRADEEP LAMBE	10
7	2018014691	483333	LONDHE ANUJ CHANDRAKANT	10
8	2019014711	483336	MALI ROHIT LAXMAN	10
9	2021015100	483356	NAVALEKAR AIMAN TAJUDDIN	10
10	2020014698	483361	TABASSUM RAFIK PATEL	10
11	2020014741	483392	RATHOD ASHOK BABU	10
12	2020014758	483403	SHAIKH JUVERIYA JAVED	10
13	2020014765	483409	SHINDE SRUSHTI LAXMAN	10
14	2019014593	483429	GHATAGE SHRUTI ANIL	9
15	2018014615	483439	KADAM ADITYA SHIVAJI	9

VIVEKANAND COLLEGE ESTD JUNE 1964 KOLHAPUR-416 003

Tupe

(Dr. D. R. Tupe)

Internal Examiner

Mobile Number

Scanned by CamScanner